e-ISSN: 2319-8753 | p-ISSN: 2347-6710

IJIRSET

International Journal of Innovative Research in
SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

INTERNATIONAL JOURNAL OF INNOVATIVE RESEARCH

IN SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

Volume 10, Issue 10, October 2021

INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

Impact Factor: 7.569

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 7.569|

|| Volume 10, Issue 10, October 2021 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2021.1010043 |

जम्मू-कश्मीर के धार्मिक पर्यटन एवं वैष्णव देवी तीर्थ पर तीर्थ यात्रियों की आधारभूत सुविधाएं

डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
असिस्टेंट प्रोफेसर
विशिष्ट आपदा प्रबंधन केंद्र
जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
इंप्रेस योजना,आई सी एस एस आर

सारांश

आध्यात्मिक अनुभव, अपने धर्म को समझने और उससे जुड़ी धार्मिक मान्यताओं को समझने के लिए लोग अपने तीर्थस्थल की यात्रा करते हैं। तीर्थ स्थल की यात्रा धार्मिक पर्यटन कहलाता है जम्मू कश्मीर भारतीय संस्कृति का आधार क्षेत्र रहा है। पाणनी की अष्टाध्यायी, रामानुज के ब्रह्म सूत्र की रचना स्थली रही है.

वैष्णो देवी तीर्थ एक श्राइन बोर्ड द्वारा संचालित है। वैष्णो देवी तीर्थ हिन्दू धर्म के साथ ही साथ सिख धर्म और इस्लाम के अनुयायियों के बीच महत्वपूर्ण स्थान रखता है। एक तीर्थ स्थल धार्मिक प्रभाव के साथ सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और भौगोलिक कारकों से प्रभावित होता है और प्रभावित करता है।

इस शोध कार्य में माता वैष्णो देवी तीर्थ क्षेत्र का सुविधा और उपलब्ध सेवाओं के स्वरुप का अध्ययन किया गया है। धार्मिक पर्यटन के विकसित स्वरुप के कारण वैष्णव देवी तीर्थ स्थल आध्यात्मिक साधना के साथ साथ आर्थिक क्रिया कलाप का बहुत बड़ा केंद्र है। इस तीर्थ स्थल पर उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं प्रति यात्रियों व्यवसाइयों और सेवा कार्य से जुड़े लोगों का दृष्टिकोण लिया गया है।

मूल शब्दः धार्मिक पर्यटन, आधार भूत संरचना, मात्रात्मक पद्दति, धार्मिक मान्यता

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 7.569|

|| Volume 10, Issue 10, October 2021 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2021.1010043 |

धार्मिक पर्यटन, जिसे आमतौर पर तीर्थाटन पर्यटन के रूप में भी जाना जाता है, यह एक प्रकार का पर्यटन है, जहां लोग तीर्थयात्रा, आध्यात्मिक साधना, या अवकाश में व्यक्तिगत या समूहों में यात्रा करते हैं। भारत का कुम्भ दुनिया में सबसे बड़ा सामूहिक धार्मिक यात्रा या मेला है, जो 1 करोड़ से अधिक तीर्थयात्रियों को आकर्षित करता है। धार्मिक आकर्षण के कारण स्वर्ण मंदिर, लुम्बनी, कैलाश मानसरोवर, चार धाम की यात्रा औरअजमेर शरीफ आदि के लिए पर्यटक इन स्थानों की यात्रा करते हैं। आध्यात्मिक अनुभव, अपने धर्म को समझने और उससे जुड़ी धार्मिक मान्यताओं को समझने के लिए लोग अपने तीर्थस्थल की यात्रा करते हैं।

जम्मू कश्मीर भारतीय संस्कृति का आधार क्षेत्र रहा है। पाणनी की अष्टाध्यायी, रामानुज के ब्रह्म सूत्र की रचना स्थली रही है. राजा जम्बू लोचन और महर्षि कश्यप की धरती होने के कारण इसका नाम जम्मू कश्मीर पड़ा है। भारत का मुकुट कहलाने वाला जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित राज्य में असंख्य तीर्थ स्थल हैं।इसे पृथ्वी का स्वर्ग जैसी संज्ञा से संबोधित किया जाता रहा है। नीलमत पुराण में कश्मीर को भगवती कश्मीरा का साक्षात् रूप माना गया है। महाकवि कालिदास ने तो हिमालय को देवात्मा अर्थात् दिव्य आत्माओं की निवास स्थली माना है। जम्मू एवं कश्मीर की समस्त चोटियां और उनकी घाटियां अनेक ऋषि-मुनियों की तपस्थली है। पाक अधिकृत जम्मू कश्मीर को लेकर देखें तो यह राज्य हिन्दू, बौद्ध और सिख धर्म से जुड़े सैकड़ों स्थल स्थित हैं। श्री माता वैष्णो देवी तीर्थ जम्मू कश्मीर का ही नहीं बल्कि उत्तर भारत का सर्वाधिक तीर्थ यात्रियों के आगमन का स्थल है। यह तिरूपति वेंकटेश्वर मंदिर के बाद भारत का दूसरे नंबर पर तीर्थ यात्रियों के आगमन का स्थल है। यह मंदिर, जम्मू और कश्मीर राज्य के रियासी जिले में स्थित है।वैष्णो देवी तीर्थ एक श्राइन बोर्ड द्वारा संचालित है। वैष्णो देवी तीर्थ हिन्दू धर्म के साथ ही साथ सिख धर्म और इस्लाम के अनुयायियों के बीच महत्वपूर्ण स्थान रखता है। एक तीर्थ स्थल धार्मिक प्रभाव के साथ सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और भौगोलिक कारकों से प्रभावित होता है और प्रभावित करता है।

इस शोध कार्य में माता वैष्णो देवी तीर्थ क्षेत्र का सुविधा और उपलब्ध सेवाओं के स्वरुप का अध्ययन किया गया है। धार्मिक पर्यटन के विकसित स्वरुप के कारण वैष्णव देवी तीर्थ स्थल आध्यात्मिक साधना के साथ साथ आर्थिक क्रिया कलाप का बहुत बड़ा केंद्र है। इस तीर्थ स्थल पर

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 7.569|

|| Volume 10, Issue 10, October 2021 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2021.1010043 |

उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं प्रति यात्रियों व्यवसाइयों और सेवा कार्य से जुड़े लोगों का दृष्टिकोण लिया गया है।

उद्देश्य एवं शोध पद्धति

प्रस्तुत शोध पत्र में तीर्थ यात्री, व्यापारी और सेवा कार्य से जुड़े व्यक्तियों का तीर्थ स्थल से सम्बंधित आधारभूत संरचना का अध्ययन किया जायेगा। इस शोध पत्र के निम्नलिखित उद्देश्य हैं।

- धार्मिक पर्यटन का स्वरुप को ज्ञात करना
- वैष्णव देवी तीर्थ के प्राथमिक आवश्यकता और आधारभूत संरचना का अध्ययन
- तीर्थ यात्रा से सम्बंधित यातायात और यात्री निवास के सन्दर्भ में दृष्टिकोण को जानना।

सर्वेक्षण के द्वारा उपरोक्त उद्देश्य प्राप्त करने का प्रयास किया गया है। प्रस्तुत शोध पत्र का सेम्पल साइज़ 300 है। मात्रात्मक पद्दति से इस शोध कार्य का विश्लेषण करने का प्रयास किया गया है। शोध पत्र में पाई आरेख और दंडारेख का प्रयोग किया गया है।

1.1 धार्मिक पर्यटन का स्वरुप

धार्मिक प्रेरणा के उद्देश्यों की पूर्ती के लिए मनुष्य धार्मिक यात्रा करता है. मनुष्य के अंदर धार्मिक प्रेरणा का जन्म कई कारकों से होता है,जैसे पर्व, अवकाश, व्यक्तिगत मान्यता और पारिवारिक परम्परा आदि. इसका विस्तार निम्न है-

धार्मिक पर्व धार्मिक पर्व से आशय माह विशेष या तिथि विशेष पर होने वाले धार्मिक आयोजन से है। जैसे कुम्भ, नवरात्रि, कैलाश मन सरोवर यात्रा, हज यात्रा,उर्स आदि अवकाश भारत में सामान्यता विद्यालयों में छुट्टी होने पर परिवार को धार्मिक यात्रा के लिए समय मिलता है।

व्यक्तिगत मान्यता अपने आराध्य देव से अपने रुके हुए कार्य के लिए प्रार्थना करने पर पूरे हुए कार्य के लिए धार्मिक यात्रा किया जाता है। तिरुपति बाला जी, सिरडी के साईं बाबा की यात्रा सामन्यता अपने मन्नत के लिए श्रद्धालु यात्रा करते हैं।

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 7.569|

|| Volume 10, Issue 10, October 2021 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2021.1010043 |

पारिवारिक परम्परा भारत परम्परा का देश है। प्रत्येक परिवार की धार्मिक मान्यता अलग अलग होती है। लोग अपने कुल देवी या कुल देवता से सम्बंधित पारिवारिक धार्मिक आयोजन करते हैं। जैसे परिवार में मूडन, शादी के बाद कुल स्थान पर पूजा जैसी मान्यताएं हैं।

1.2 ठहरने की सुविधा

माता वैष्णव देवी तीर्थ पर यात्री देश के सुदूर क्षेत्रों से आते है। जम्मू कश्मीर से बाहर से आने वाले तीर्थ यात्रियों को यात्रा के दौरान विश्राम की आवश्यकता होती है । यात्री यात्रा के थकान को कम करने के लिए विश्राम स्थल होटल, लॉज, धर्मशाला आदि का चुनाव करते हैं।

चित्र 1
ठहरने की सुविधा

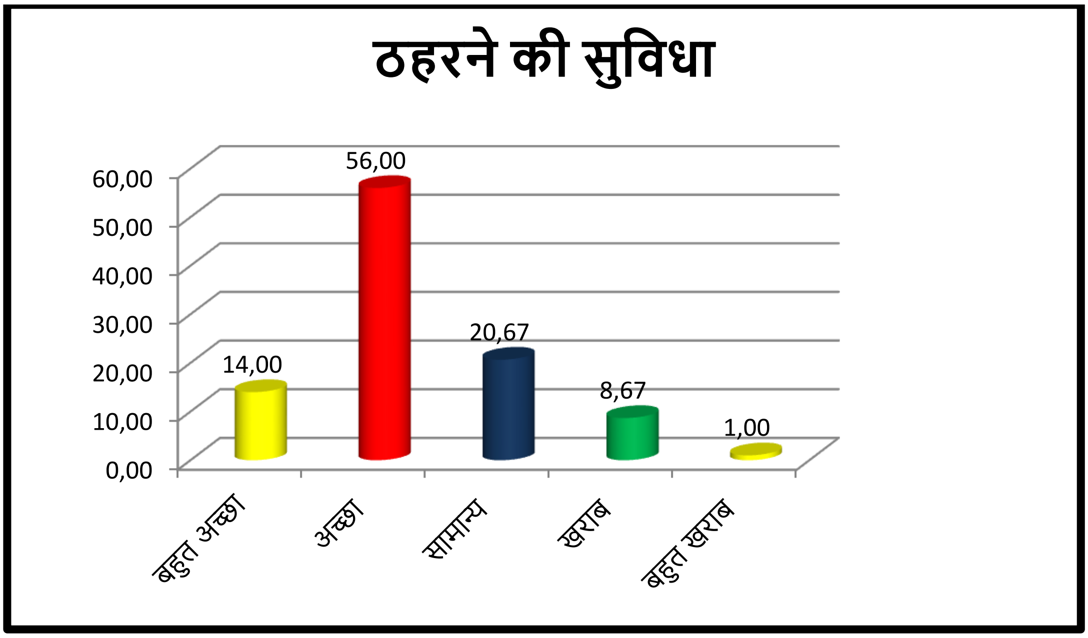

स्रोतःशोध सर्वे पर आधारित

उपरोक्त ग्राफ माता वैष्णो देवी तीर्थ स्थल पर किए गए सर्वे के द्वारा ठहरने की सुविधा को दर्शा रहा है। जिसमें 40प्रतिशत लोगों ने बहुत अच्छा बताया है। 56 प्रतिशत लोगों ने अच्छा 20.67प्रतिशत लोगों ने सामान्य 8.67 प्रतिशत लोगों ने खराब जबकि 1 प्रतिशत लोगों ने

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 7.569|

|| Volume 10, Issue 10, October 2021 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2021.1010043 |

बहुत खराब व्यवस्था बताया है अर्थात हम सामान्य रूप से कह सकते हैं ठहरने की सुविधा अच्छा है।

1.3 पेयजल की सुविधा

यात्रा के पेयजल एक मूल भूत आवश्यकता है। एक तीर्थ यात्री को आवश्यकता के अनुसार जल मिलता रहे तो उसकी यात्रा सुखद रहेगी। वैष्णव देवी श्राइन बोर्ड ने तीर्थ यात्रियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा है। कटरा से त्रिकुटा पहाड़ी के मार्ग पर स्थान स्थान पर शुद्ध पेयजल की व्यवस्था है। तीर्थ यात्रियों के संतुष्टि का स्तर इस शोध पत्र के माध्यम से ज्ञात किया गया है। अशुद्ध जल से बीमारियों को फैलने का डर बना रहता है। यात्रा के दौरान शुद्ध जल की उपलब्धता यात्रियों को स्वस्थ रखता है, जिससे उनकी यात्रा सरल और सुरक्षित रहती है।

चित्र 2
पेयजल की सुविधा

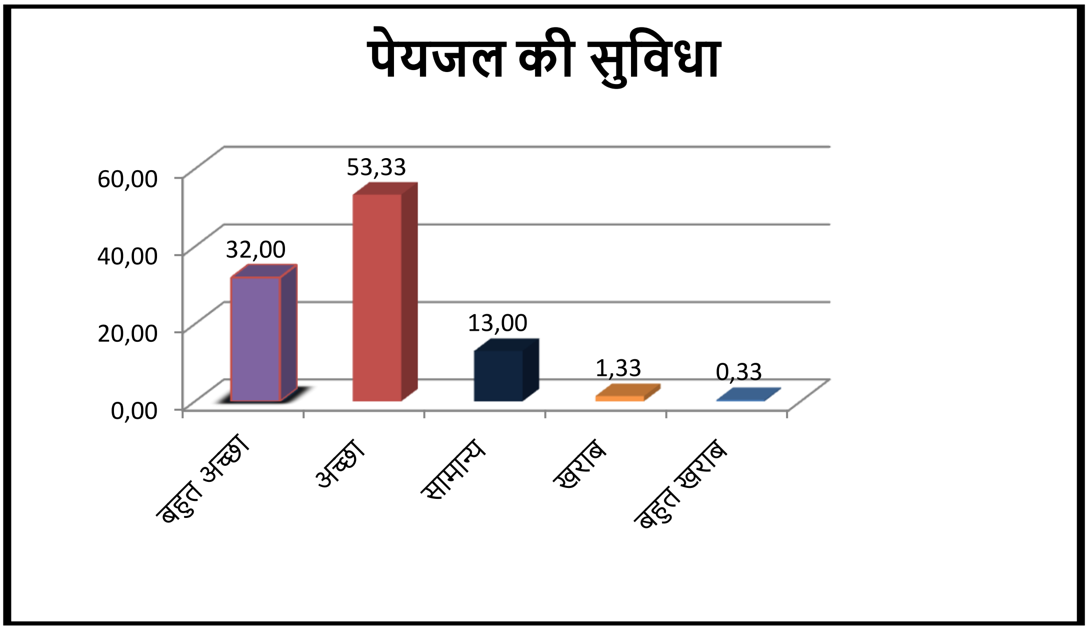

स्रोत:शोध सर्वे पर आधारित

उपरोक्त ग्राफ माता वैष्णो देवी तीर्थ स्थल पर किए गए सर्वे के द्वारा पेयजल सुविधा को दर्शा रहा है। जिसमें 32 प्रतिशत ने बहुत अच्छा 53.33 प्रतिशत लोगों ने अच्छा 30 प्रतिशत

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 7.569|
|| Volume 10, Issue 10, October 2021 ||
| DOI:10.15680/IJIRSET.2021.1010043 |

लोगों ने सामान्य 1.33 प्रतिशत लोगों ने खराब जबकि 0.33 प्रतिशत लोगों ने बहुत खराब बताया। अर्थात हम सामान्य रूप से कह सकते हैं कि पेयजल की सुविधा अच्छा है।

1.4 स्वच्छता की सुविधा

तीर्थ स्थल निरंतर आवागमन का केंद्र होता है जिससे स्वच्छता प्रभावित होती रहती है। वैष्णव देवी तीर्थ पर तीर्थ यात्रियों के अवागमन के लिए घोड़े और खच्चर चलते हैं जिससे उनके द्वारा छोड़े गए मल का समय से निस्तारण न हो तो गंदगी तेजी से फैलेगी।

1.5 भोजन की सुविधा

यात्रा के दौरान भोजन एक मूल भूत आवश्यकता है।भोजन की उपलब्धता यात्रियों की यात्रा सरल बनाती है। वैष्णव देवी श्राइन बोर्ड द्वारा संचालित भोजनालय, निजी रेस्टोरेंट, प्रसिद्ध व्यापारी गुलशन कुमार के ट्रस्ट द्वारा संचालित ढाबा तीर्थ यात्रियों को पर्याप्त मात्रा मंर शुद्ध भोजन की उपलब्धता करवाते हैं।

चित्र 3

भोजन की सुविधा

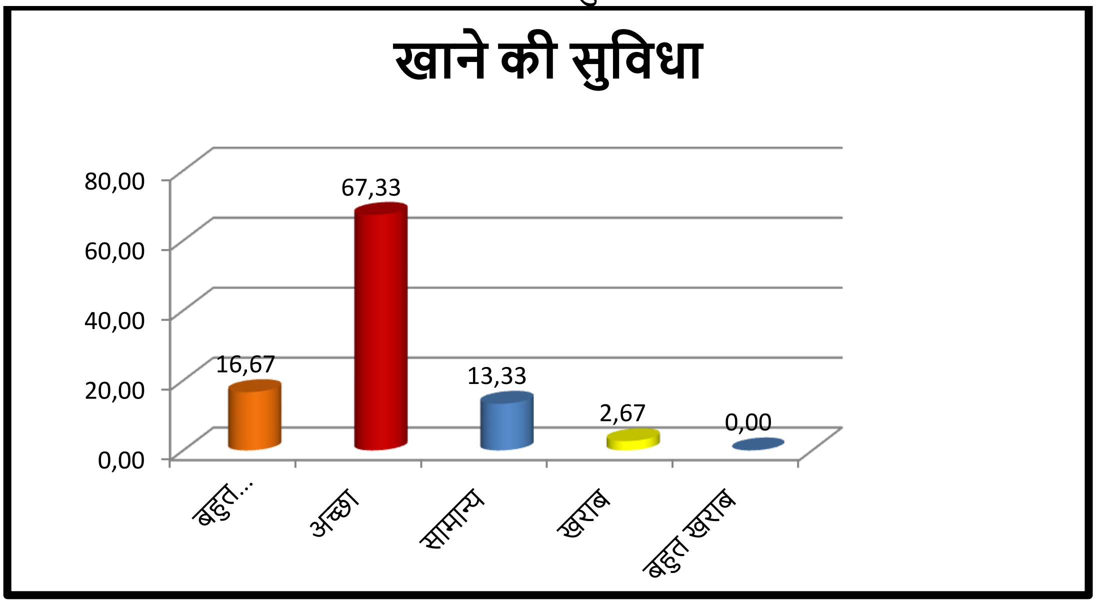

स्रोतःशोध सर्वे पर आधारित

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 7.569|

|| Volume 10, Issue 10, October 2021 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2021.1010043 |

उपरोक्त ग्राफ माता वैष्णो देवी तीर्थ स्थल पर खाने की सुविधा को दर्शा रहा है। जिसमें 16.67 प्रतिशत लोगों ने बहुत अच्छा, 67.33 प्रतिशत लोगों ने अच्छा, 13.33 प्रतिशत लोगों ने सामान्य जबकि 2.7 प्रतिशत लोगों ने खराब बताया है। अर्थात हम सामान्य रूप से कह सकते हैं कि खाने की सुविधा बहुत अच्छी है।

1.6 वाहन पार्किंग की सुविधा

वाहन पार्किंग बाहरी यात्रियों के लिए मूलभूत आवश्यकता है। अपने परिवहन साधन से आने वाले आगंतुको के लिए पार्किंग मूलभूत आवश्यकता है।

चित्र 4
वाहन पार्किंग की सुविधा

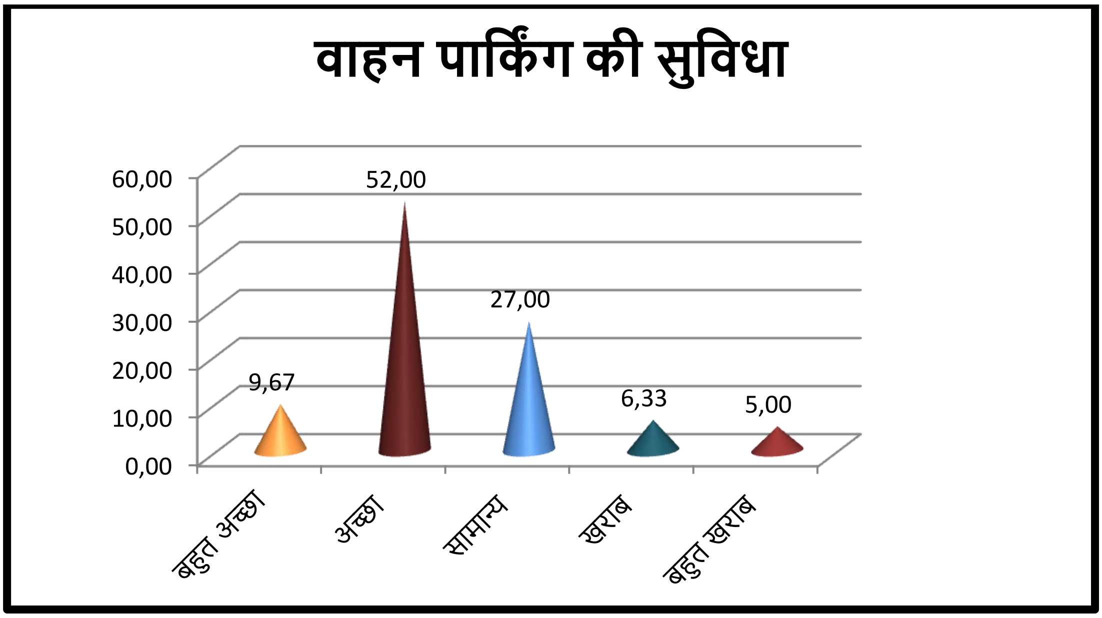

स्रोत:शोध सर्वे पर आधारित

उपरोक्त ग्राफ माता वैष्णो देवी तीर्थ स्थल पर किए गए सर्वे के द्वारा वाहन पार्किंग सुविधा को दर्शा रहा है। जिसमें 9.67 प्रतिशत लोगों ने बहुत अच्छा, 52 प्रतिशत लोगों ने अच्छा, 27 प्रतिशत लोगों ने सामान्य 6.33 प्रतिशत लोगों ने खराब जबकि 5 प्रतिशत लोगों ने बहुत खराब बताया है। अर्थात सामान्य रूप से कह सकते हैं कि वाहन पार्किंग की सुविधा अच्छा है।

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 7.569|

|| Volume 10, Issue 10, October 2021 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2021.1010043 |

1.7 यातायात की सुविधा

चित्र 5
यातायात की सुविधा

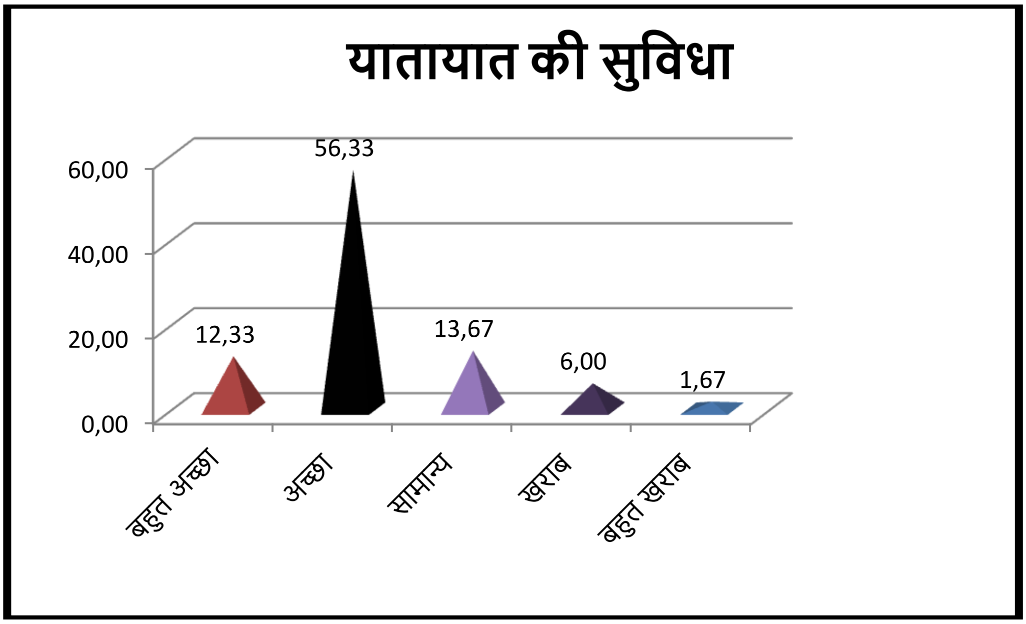

स्रोतःशोध सर्वे पर आधारित

उपरोक्त ग्राफ माता वैष्णो देवी तीर्थ स्थल पर किए गए सर्वे के द्वारा तीर्थयात्रियों के नजरिये से यातायात की सुविधा को दर्शा रहा है। जिसमें 12.33 प्रतिशत लोगों ने यहाँ की यातायात व्यवस्था को बहुत अच्छा बताया है। 56.33 लोगों ने अच्छा, 13.67 लोगों ने सामान्य 6 प्रतिशत लोगों ने खराब, वहीं 1.7 प्रतिशत लोगों ने बहुत खराब बताया है। अर्थात हम सामान्य रूप से कह सकते हैं कि यातायात सुविधा अच्छा है।

उपसंहार

इस शोध पत्र में पेयजल की सुविधा, स्वच्छता की सुविधा, ठहरने की सुविधा, वाहन पार्किंग की सुविधा, यातायात की सुविधा, बिजली की सुविधा, सुरक्षा के सुविधा, खाने की सुविधा, शौचालय की सुविधा और स्वास्थ्य की सुविधाओं का अध्ययन किया गया है। तीर्थ स्थल

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 7.569|

|| Volume 10, Issue 10, October 2021 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2021.1010043 |

क्षेत्र पर उपलब्ध आधार भूत सुविधाएँ संतोषजनक हैं। वैष्णव देवीश्राइन बोर्ड ने तीर्थ स्थल का समन्वित प्रबंधन और विकास किया है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

कुमार अरविन्द (2021), यात्रा, पर्यटन प्रबंधन और भारत के पर्यटन संसाधन का परिचय, वालनट पब्लिशरः नई दिल्ली

चतुर्वेदी संजय(2018) कुम्भ आस्था का प्रतीक, प्रभात प्रकाशनः नई दिल्ली

टिमोथी जे। डालन (2020), कल्चरल हेरिटेज एंड टूरिज्म, चौनल व्यू पब्लिकेशनःब्रिस्टल

रविन्द्र जुगरान (2009), रक्त रंजित जम्मू कश्मीर, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली श्रंइंत

विद्या सागर शर्मा (2014), माता वैष्णो देवी, प्रभात प्रकाशनः नई दिल्ली

शर्मा विद्या सागर(2010), माता वैष्णो देवी, प्रभात प्रकाशनः नई दिल्ली

सिन्हा श्रीनिवास कुमार(2010), मिशन कश्मीर, प्रभात प्रकाशनः नई दिल्ली

INNO SPACE
SJIF Scientific Journal Impact Factor

Impact Factor:
7.569

INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

निस्केयर NISCAIR

INTERNATIONAL JOURNAL OF INNOVATIVE RESEARCH

IN SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

9940 572 462 6381 907 438 ijirset@gmail.com

Scan to save the contact details

www.ijirset.com